हठधर्मिता — कलेक्टर अनुमति के बाद भी सुरक्षा ऑडिट और एनओसी पर सन्नाटा, इंटेकवेल निर्माण कार्य को लेकर गहराता जा रहा विवाद

चेतावनी के बावजूद बिलगांव जलाशय के समीप जारी है ब्लास्टिंग

डिंडोरी, नवभारत 12 मई। बिलगांव मध्यम परियोजना के समीप इंटेकवेल निर्माण कार्य को लेकर चल रहा ब्लास्टिंग विवाद अब और गंभीर रूप लेता जा रहा है।

जल संसाधन विभाग द्वारा समय-समय पर बांध सुरक्षा को लेकर चेतावनी भरे पत्र जारी किए जाने, मीडिया खुलासों और स्थानीय आशंकाओं के बावजूद संवेदनशील जल संरचना के समीप नियंत्रित ब्लास्टिंग का कार्य लगातार जारी है। अब इस पूरे मामले में प्रशासनिक अनुमति, सुरक्षा मानकों और विस्फोटक उपयोग की वैधानिक प्रक्रिया पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं।

परियोजना क्रियान्वयन इकाई मंडला को भेजा था पत्र

हाल ही में जल संसाधन संभाग डिंडोरी के कार्यपालन यंत्री द्वारा महाप्रबंधक, मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित परियोजना क्रियान्वयन इकाई मंडला को पत्र जारी कर स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बिलगांव जलाशय के बांध और स्पिलवे के समीप की जा रही ब्लास्टिंग भविष्य में संरचना की स्थिरता, सुरक्षा और जल संधारण क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

क्यों नजरअंदाज किए गए पत्र?

गौरतलब है कि जल संसाधन विभाग द्वारा इस संबंध में एक नहीं बल्कि कई बार पत्राचार किया गया। 23 फरवरी से लेकर 9 मई तक लगातार पत्रों के माध्यम से बांध सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जाती रही, लेकिन इसके बावजूद निर्माण स्थल पर ब्लास्टिंग और ड्रिलिंग कार्य जारी रहा। मामले ने तब और तूल पकड़ा जब नवभारत ने इस पूरे घटनाक्रम को सिलसिलेवार ढंग से उठाना शुरू किया।

स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट तक नहीं कराया गया

इसके बाद संबंधित ठेकेदार द्वारा 8 मई को कलेक्टर डिंडोरी से ब्लास्टिंग कार्य की अनुमति लिए जाने की जानकारी सामने आई। हालांकि सबसे बड़ा सवाल अब भी यही बना हुआ है कि क्या केवल प्रशासनिक अनुमति पर्याप्त थी, जबकि निर्माण स्थल पर ब्लास्टिंग के लिए संबंधित विभाग से विधिवत एनओसी, संरचनात्मक सुरक्षा परीक्षण और स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट तक नहीं कराया गया?

मीडिया से दुर्व्यवहार, जानकारी देने से बचते रहे कर्मी

नवभारत प्रतिनिधि जब मामले की पड़ताल करने निर्माण स्थल पहुंचे, तब कंपनी के कर्मियों द्वारा एक अन्य मीडिया कर्मी के साथ दुर्व्यवहार करने का प्रयास किया गया। आरोप है कि कंपनी के कर्मचारी मीडिया को जानकारी देने से बचते रहे और सवालों को लगातार नजरअंदाज करते रहे। इसी दौरान निर्माण स्थल पर ड्रिलिंग कार्य खुलेआम जारी रहा।

ब्लास्टिंग के बाद मकान में दरार का दावा

मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कलेक्टर से अनुमति मिलने पश्चात लगभग दो रोज पूर्व ठेकेदार के कर्मियों द्वारा की गई ब्लास्टिंग के चलते निर्माण स्थल के समीप रहने वाले किसान नेता बिहारी लाल साहू के घर एवं छत में दरारें आने का दावा किया गया है। स्वयं बिहारी लाल साहू ने इसकी पुष्टि करते हुए आशंका जताई है कि यदि इसी तरह लगातार विस्फोट होते रहे तो आसपास के ग्रामीणों के मकान और जल संरचना दोनों को खतरा बढ़ सकता है।

विस्फोटकों की वैधता और सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रश्न

पूरे मामले में यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ब्लास्टिंग के लिए उपयोग किए जा रहे विस्फोटक किस लाइसेंसधारी एजेंसी से लाए जा रहे हैं। निर्माण स्थल पर कितनी मात्रा में विस्फोटक मौजूद थे, उनके सुरक्षित भंडारण की क्या व्यवस्था थी, स्टोरेज की अनुमति कितनी मात्रा के लिए थी तथा परिवहन और उपयोग की शर्तों का पालन हो भी रहा था या नहीं, इन सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर जिम्मेदार विभागों की चुप्पी सवालों को और गहरा कर रही है।

कार्यपालन यंत्री व एसडीओ ने किया निरीक्षण

बता दें कि जब हम मौके पर कवरेज को पहुंचे तो ठीक उसी समय जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री और अनुविभागीय अधिकारी भी निर्माण स्थल पर बांध की सुरक्षा को लेकर निरीक्षण को पहुंचे। इस दरमियान उनके स्थानीय पटवारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने दोनों ही विभागीय अधिकारियों को भूमि संबंधी तमाम जानकारी से अवगत कराया कि इंटेकवेल बांध क्षेत्र में बन रहा है या फिर बांध क्षेत्र के बाहर? और जैसे ही कार्यपालन यंत्री इस राज से वाकिफ हुए तो उन्होंने फौरी तौर पर महाप्रबंधक को पत्राचार कर अवगत कराया।

इनका कहना है

अभी मुझे ये रिपोर्ट जल संसाधन विभाग से प्राप्त नहीं हुई है। एनओसी विधिवत संबंधित विभागों से एनओसी प्राप्त होने के पश्चात जारी की गई है। दोनों ही शासकीय विभागों के निर्माण कार्य हैं जो कि डिंडोरी के विकास कार्य से संबंधित है। खेतों के लिए सिंचाई का पानी तथा पीने के पानी की व्यवस्था के लिए इंटेकवेल के निर्माण की भी आवश्यकता है। जल संसाधन विभाग से रिपोर्ट प्राप्त होने पर आवश्यक सुरक्षा के साथ निर्माण कार्य सुनिश्चित किए जाएंगे।

अंजू पवन, भदौरिया, कलेक्टर डिंडोरी

हमे अभी जानकारी प्राप्त हुई है कि कलेक्टर द्वारा पांच खसरा नंबरों की अनुमति दी गई है, जिसमें दो खसरे मध्यप्रदेश शासन के है और दो खसरे जनसंसाधन विभाग के क्षेत्र में आते है। जहां निर्माण कार्य के लिए ब्लास्टिंग की जा रही है वह जलाशय के डूब क्षेत्र में आता है। जल निगम को हमारे द्वारा लगातार पत्राचार किया गया है और आज ही हमे जल निगम के अधिकारी द्वारा व्हाट्सएप पर ब्लास्टिंग की अनुमति से अवगत कराया है, जो कि 8 मई को दी गई है। बाकी निर्णय शासन स्तर पर लिए गए है। कलेक्टर को भी अवगत कराया जाएगा कि ब्लास्टिंग जल संरचना के ठीक नजदीक ही चल रही है और यह खसरा हमारे डैम के नजदीक ही आ रहा है।

एसके शर्मा, कार्यपालन यंत्री, जलसंसाधन विभाग डिंडोरी

तेंदूपत्ता संग्रह के दौरान युवक पर बाघ का हमला, घायल

▸ बांधवगढ़ के मानपुर बफर की घटना, ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ जंगल की ओर भाग गया

चिल्हारी नवभारत 12 मई। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अंतर्गत मानपुर बफर क्षेत्र में मंगलवार सुबह बाघ के हमले से एक युवक घायल हो गया। घटना दुलहरा गांव से सटे जंगल की है, जहां तेंदूपत्ता संग्रह करने गए युवक पर अचानक टाइगर ने हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार दुलहरा निवासी धर्मेंद्र बैगा सुबह करीब 5 बजे जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गया था। इसी दौरान जंगल में मौजूद टाइगर ने उस पर हमला कर दिया। हमले में युवक के सिर और पीठ में गंभीर चोटें आईं। घायल युवक की चीख-पुकार सुन आसपास मौजूद ग्रामीण मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ जंगल की ओर भाग गया।

घायल शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर-घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए मानपुर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

युवक को सिर और पीठ में चोट आयी

मामले में प्रभारी रेंजर अंजू वर्मा ने बताया कि युवक तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गया हुआ था, जहां बाघ ने हमला कर दिया। हमले में युवक को सिर और पीठ में चोट आई है। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद वन विभाग ने जंगल से लगे गांवों में सतर्कता बढ़ा दी है। ग्रामीणों को अकेले जंगल में न जाने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। वहीं लगातार हो रही वन्यजीव गतिविधियों से ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है।

वन विहार रेस्क्यू सेंटर भोपाल पहुंचा भालू शावक

▸ मानपुर बफर क्षेत्र में घायल अवस्था में मिला था

नवभारत उमरिया 12 मई। जिले के बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व के मानपुर बफर क्षेत्र में विगत माह घायल अवस्था में मिले भालू शावक को सुरक्षित भोपाल स्थित वन विहार रेस्क्यू सेंटर पहुंचा दिया गया है। लगभग 5 से 6 माह उम्र के इस शावक को वन्यप्राणी विशेषज्ञों की निगरानी में आगे की देखभाल के लिए रखा गया है।

गौरतलब है कि बीते 20 अप्रैल को मानपुर बफर परिक्षेत्र के नेउसी बीट मे वन अमले को यह शावक नाले में घायल और असहाय अवस्था में मिला था। वह लगातार कराह रहा था और आसपास उसकी मां मौजूद नहीं थी। संभावना जताई गई कि बीमारी के कारण मां ने उसे छोड़ दिया था।

शावक का उपचार और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया-सूचना पर मानपुर पशु चिकित्सालय के डॉ. विपिन चंद्र मौके पर पहुंचे और वन विभाग के अमले के साथ शावक का रेस्क्यू किया। इसके बाद क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय, उप संचालक योहन कटारा, सहायक संचालक मानपुर भूरा गायकवाड़ तथा वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश तोमर के निर्देशन में शावक का लगातार उपचार और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिससे उसके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। इसी बीच प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) और मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक के मार्गदर्शन में शावक को वन विहार भोपाल भेजने का निर्णय लिया गया। 10 मई को वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी मानपुर और अन्य वनकर्मियों का दल शासकीय वाहन से सुबह करीब 5.30 बजे भोपाल के लिए रवाना हुआ और शाम करीब 5.30 बजे टीम ने शावक को सुरक्षित रूप से वन विहार रेस्क्यू सेंटर पहुंचा दिया।

आबकारी विभाग की मिलीभगत से हो रही अवैध शराब बिक्री

▸ मानपुर क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई क्यों नहीं? जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

चिल्हारी नवभारत 12 मई। जिले के मानपुर जनपद पंचायत क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा अन्य मामलों में कार्रवाई तो की जा रही है, लेकिन अवैध शराब बिक्री और पैकारी पर अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया।

शराब दुकान मानपुर में है, लेकिन गांव-गांव में खुलेआम ठेकेदार के गुर्गों द्वारा अवैध शराब की पैकारी मोटरसाईकिल से की जाती है। अवैध शराब की बिक्री से ग्रामीण क्षेत्रों का युवा वर्ग दिनों दिन नशे की गिरफ्त में फंसता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र का शान्त वातावरण दूषित हो रहा है, जिससे आए दिन लड़ाई झगड़े और अन्य अपराधिक गतिविधियां बढ़ रही है।

इन्दवार क्षेत्र में भी शराब दुकान के गुर्गे सक्रिय-मानपुर की शराब दुकान के गुर्गों द्वारा क्षेत्र के लगभग सभी गांवों के साथ इन्दवार क्षेत्र में भी अपना पैर पसारे हैं, जिससे ग्रामीणों में दिनों दिन आक्रोश बढ़ रहा है, जिससे किसी भी दिन कोई भी अप्रिय स्थिति निर्मित हो सकती है। बताया जा रहा है कि मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत कई ग्राम पंचायतों में लंबे समय से अवैध शराब बिक्री जारी है, जिस पर जिम्मेदार विभागों की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है।

शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही कार्यवाही-स्थानीय लोगों के अनुसार हिरौली, बिजौरी, करौंदी टोला, दौड़का, भमराहा इधर क्षोभ मुड़वानी दमोह चिन्सुरा पनपथा मझौली आदि सभी गांवों सहित कई ग्राम पंचायतों और मुख्य मार्ग से लगी दुकानों में खुलेआम अवैध शराब बेचे जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर देर रात तक शराब की बिक्री होती है, लेकिन न तो छापेमारी होती है और न ही कोई सख्त कार्रवाई दिखाई देती है।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी-ग्रामीणों का कहना है कि जिले का आबकारी विभाग अपनी चढ़ोत्तरी लेकर अवैध शराब की बिक्री करवा रहा है। जिला कलेक्टर से जनपेक्षा है कि शराब की अवैध पैकारी पर अंकुश लगाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का वातावरण शांतिप्रिय वना रहे अन्यथा ग्रामीणों को जन आन्दोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

234 परिवारों में से केवल 58 घरों तक ही पहुंच रहा पानी

▸ जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने रखीं विभिन्न समस्याएं, 69 आवेदन प्राप्त

डिंडौरी, नवभारत 12 मई। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। आयोजित जनसुनवाई में कुल 69 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों एवं नागरिकों ने पेयजल संकट, अधूरे निर्माण कार्य, भुगतान लंबित होने, प्रधानमंत्री आवास योजना, फसल नुकसान, रोजगार सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त एक आवेदन में गांव में मूलभूत सुविधाओं की कमी एवं समस्याओं के निराकरण नहीं होने की शिकायत की गई। आगजनी की घटना में नुकसान होने के बावजूद मुआवजा नहीं मिलने की शिकायत करते हुए पीड़िता ने राहत सहायता दिलाने की मांग की।

ओवरहेड टंकी हो गई क्षतिग्रस्त-ग्राम पंचायत खम्हेरा, विकासखंड बजाग के ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में निर्मित ओवरहेड टंकी क्षतिग्रस्त होने से पानी लगातार बर्बाद हो रहा है। 234 परिवारों में से केवल 58 घरों तक ही पानी पहुंच पा रहा है, जबकि 178 परिवार पेयजल सुविधा से वंचित हैं। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को जांच कर शीघ्र पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

तालाब निर्माण कार्य का भुगतान लंबित-ग्राम पंचायत पिण्डरूखी निवासी भजन सिंह राजपूत ने तालाब निर्माण कार्य का लगभग 1 लाख 25 हजार भुगतान लंबित होने का आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नेहरू वार्ड निवासी सरस्वती बर्मन ने आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की जिस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को पात्रता परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नर्से समर्पण व करुणा की प्रतिमूर्ति हैं : पाण्डेय

▸ अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस की दी शुभकामनाएं

नवभारत उमरिया 12 मई। भारतीय जनता पार्टी नेता दिलीप पांडे ने अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सेवा, समर्पण और करुणा की प्रतिमूर्ति सभी नर्सों को उनके अथक परिश्रम के लिए नमन। आप सिर्फ बीमारों की देखभाल नहीं करतीं, बल्कि अपनी संवेदनशीलता से जीवन में आशा का संचार करती हैं।

श्री पाण्डेय ने बताया कि द लेडी विद द लैंप के नाम से विश्वविख्यात मिस फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्म 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर के कुलीन परिवार में हुआ था। परिवार वालों के न चाहने के बाद भी उन्होंने नर्स सेवा का रास्ता चुना था। एक वो भी दौर था जब एक हाथ में लालटेन लेकर मरीजों को सेवा करती थी। उनके सम्मान में उनकी जयंती के दिन 1974 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया गया था। इसलिए आज के दिन देश भर में चिकित्सकीय सेवा देने वाली सभी नर्सों को एक बार पुनः हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जवानों को दक्ष बनाने के सिखाए जा रहे गुर

▸ तीन दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण प्रारंभ

नवभारत उमरिया 12 मई। होमगार्ड मुख्यालय भोपाल से प्राप्त निर्देशों के अनुसार जिला इकाई उमरिया में एसडीआरएफ एवं होमगार्ड जवानों का तीन दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण सोमवार से प्रारंभ हो गया।

यह प्रशिक्षण जिला सेनानी होमगार्ड के मार्गदर्शन में प्लाटून कमांडर राहुल कुमार साहू द्वारा स्थानीय उमरार डैम में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य जवानों को प्राकृतिक आपदाओं, विशेषकर बाढ़ जैसी परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य करने के लिए दक्ष बनाना है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान एसडीआरएफ एवं होमगार्ड जवानों को ड्राई रेस्क्यू, वेट रेस्क्यू, बोट हैंडलिंग, तैराकी, डीप डाइविंग तथा बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

समारोह — रानी दुर्गावती स्टेडियम में मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना सामूहिक विवाह समारोह आयोजित

200 जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधे, नए जीवन की शुरुआत की

शहपुरा नवभारत 12 मई। रानी दुर्गावती स्टेडियम में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना सामूहिक विवाह समारोह के अंतर्गत एक सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 200 जोड़े एक साथ विवाह बंधन में बंधे और अपने नए जीवन की शुरुआत की।

पूरे आयोजन में उत्साह, पारंपरिक रीति-रिवाज और सामाजिक सहभागिता का अनूठा दृश्य देखने को मिला। बड़ी संख्या में वर-वधु पक्ष के परिजन, रिश्तेदार और स्थानीय नागरिक समारोह में शामिल हुए, जिससे स्टेडियम परिसर पूरी तरह लोगों से भरा नजर आया। मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता प्रदान करना है।

जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की थीं

इसी उद्देश्य को लेकर आयोजित इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की थीं। विवाह स्थल पर दूल्हा-दुल्हनों के बैठने, वैवाहिक रस्मों के संचालन, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम पूरे कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय रही।

जनप्रतिनिधियों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फग्गन सिंह कुलस्ते, ओमप्रकाश धुर्वे सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं संपतिया उइके की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। मंच से जनप्रतिनिधियों ने शासन की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बनकर सामने आई है।

धार्मिक रीति-रिवाजों से कराया गया विवाह

सामूहिक विवाह समारोह के दौरान सभी जोड़ों का विवाह धार्मिक रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया। पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वर-वधु ने सात फेरे लिए और एक-दूसरे को जीवनभर साथ निभाने का वचन दिया। समारोह में शामिल परिवारों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था। कई परिवारों ने बताया कि इस योजना के माध्यम से उनकी बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न हो सका।

नियमों में किए गए थे बदलाव

जानकारी के अनुसार इस बार योजना के नियमों में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब केवल वही परिवार इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे, जिनका नाम गरीबी रेखा के राशन कार्ड में दर्ज है। शासन द्वारा किए गए इस संशोधन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजना का लाभ वास्तव में पात्र और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे।

महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में हुई शामिल

कार्यक्रम में सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का भी सुंदर वातावरण देखने को मिला। एक ही मंच पर विभिन्न गांवों और समुदायों से आए परिवारों ने मिलकर इस आयोजन को उत्सव का रूप दिया। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में और पुरुष उत्साह के साथ समारोह में शामिल हुए। विवाह स्थल पर पारंपरिक गीत-संगीत और मंगल ध्वनि के बीच पूरे दिन उल्लास का माहौल बना रहा।

दो चांदी की अंगूठियां व छह जोड़ी कपड़े दिए गए

ओमप्रकाश धुर्वे ने नवदंपतियों को उपहार स्वरूप दो चांदी की अंगूठियां, छह जोड़ी कपड़े और एक कांसे की थाली भेंट की। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि नवदंपतियों को यह उपहार उनके नए जीवन की सुखद शुरुआत के लिए शुभकामना के रूप में दिया गया है। नवविवाहित जोड़ों और उनके परिवारों ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की।